उत्तर–पुस्तिका-3

हिंदी रतन

BLUE SKY
BOOKS INTERNATIONAL
2647, Roshan Pura, Nai Sarak,Delhi-110006
Phone : 98994 23454, 98995 63454
E-mail : blueskybooks@gmail.com

हिंदी रतन-3

अध्यापक-1

2. (क) बच्चे अपने को नन्हे, नादान एवं उमर के कच्चे बता रहे हैं। (ख) जननी की जय बोलने का अर्थ है– उनकी महिमा का गुणगान करना। (ग) बच्चे हिम्मत एवं प्रण से कठिन काम कर सकते हैं। (घ) झंडा हमारे देश की आन-बान शान है। इसलिए हमें इसका सम्मान करना चाहिए। (ङ) हम सभी को अपने कर्त्तव्य पथ पर हिम्मत के साथ आगे बढ़कर देश का सिर गर्व से ऊँचा करना चाहिए। **3.** (क) भारत की (ख) हिम्मत से (ग) हिमगिरि। **4. जननी** की जय-जय गाएँगे, **भारत** को ध्वजा उड़ाएँगे। अपना **पथ** कभी न छोड़ेंगे? अपना **प्रण** कभी न तोड़ेंगे? **भाषा-बोध: 1. ध्वजा=**झंडा, पताका; **पथ=** रास्ता, मार्ग; **जननी=**माता, माँ; **गिरि=**पर्वत, पहाड़; **हिम=**बर्फ, तुषार; **नन्हा=**छोटा, शिशु। **2. नन्हा=**बड़ा, **बच्चा=**जवान, **जय=**पराजय, **भय=**निर्भय, **सिर=**पैर **जननी=**जनक। **3.** स्वयं करें। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-2. चिड़िया और बंदर

2. (क) बंदर ने जुगनू को अंगारा समझकर पकड़ लिया था। (ख) पेड़ पर बैठी चिड़िया बंदरों की इन हरकतों को देख रही थी। (ग) चिड़िया ने बंदरों को यह समझाने का प्रयास किया कि तुमने जिसे पकड़ रखा है, वह अंगारा नहीं है। (घ) एक बंदर ने चिड़िया को पूरी ताकत से जमीन पर पटक दिया। जमीन पर गिरते ही चिड़िया की गर्दन टूट गई और वह तुरंत मर गई। (ङ) इस पाठ से हमें शिक्षा मिलती है कि, "दूसरों को बिना माँगे सलाह देना बुद्धिमत्ता नहीं बल्कि मूर्खता है।" **3.** (क) सर्दी (ख) जानवर (ग) जुगनू (घ) चिड़िया। **4.** (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓ **भाषा-बोध : 1. सर्दी=**ठंड, शीत; **झुंड=**समूह, भीड़; **बंदर=**वानर, कपि; **चिड़िया=**पक्षी, खग; **जानवर=**पशु, जन्तु **पेड़=**वृक्ष, पादप; **जमीन=**भू, धरती; **मित्र=**दोस्त, सखा। **2. जानवर=**जानवरों, **घर=**घरों, **बंदर=**बंदरों, **हथेली=**हथेलियाँ, **चिड़िया=**चिड़ियों **साँस=** साँसों, **रानी=**रानियाँ, **जुगनू=**जुगनुओं। **3. सर्दी=**गर्मी, **शाम=**सुबह, **मित्र=**शत्रु, **सूखी=**गीली, **मूर्ख=**ज्ञानी, **रानी=**राजा, **जमीन=**आसमान, **आज=**कल, **जलाना=**बुझाना, **ठंड=**गर्म। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-3 हमारा शरीर

2. (क) शरीर की तुलना मशीन से की गई है। (ख) हमारे शरीर के सारे अंग काम करते हैं, जैसे—हम आँखों से देखते हैं, कानों से सुनते हैं, नाक से सूँघते और साँस लेते हैं, हाथों से काम करते हैं तथा जीभ से स्वाद का अनुभव करते हैं। (ग) यदि हमारे शरीर का कोई भी अंग बीमार हो जाए तो हमारे शरीर को बहुत तकलीफ होती है। (घ) हमारे

शरीर को चलाने के लिए अनेक अंगों की सहायता लेनी पड़ती है। (ङ) अधिक मसालेदार भोजन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। **3.** (क) जीभ से (ख) दोनों (ग) हरी (घ) हानिकारक । **4.** (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓ **भाषा-बोध 1. हरी-**सब्जी, **लाल-**टमाटर, **ताजा-**भोजन, **जटिल-**अंग, **स्वस्थ-**शरीर, **संतुलित-**आहार, **सरल-**मशीन, **कठिन-**काम। **2. मित्र=**मित्रता, **प्रसन्न=**प्रसन्नता, **आवश्यक =**आवश्यकता, **बीमार =**बीमारी, **रोग =**रोगी, **पौष्टिक =**पौष्टिकता। **3.** स्वयं करें। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-4 आगरा की सैर

2. (क) रेल के डिब्बे में बैठे यात्री अखबार, कुछ यात्री पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ रहे थे। (ख) ताजमहल का निर्माण सम्राट शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में करवाया था। (ग) आगरा का पेठा, दालमोट, सोहन हलवा, जूते आदि प्रसिद्ध हैं। (घ) बुलंद दरवाजे का निर्माण अकबर ने दक्षिण भारत की विजय के उपरांत करवाया था। (ङ) मनुष्य एक नियमित दिनचर्या से ऊब जाता है इसलिए कभी-कभी जीवन में परिवर्तन के लिए यात्रा आवश्यक है। **3.** (क) आगरा (ख) पेठा (ग) जूते (घ) शंकर। **4.** (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓ **भाषा-बोध : 1. वस्तु=**वस्तुएँ, **परीक्षा=**परीक्षाएँ, **गाड़ी=**गाड़ियाँ, **डिब्बा=**डिब्बे, **नदी=**नदियाँ, **टिकट=**टिकटें, **पत्रिका=**पत्रिकाएँ, **परीक्षा=**परीक्षाएँ, **2. उपयोगी=**अनोपयोगी, **नियमित=**अनियमित, **प्रसिद्ध=**कुख्यात, **रात=**दिन, **आनंद=**उदास, **आवश्यक=**अनावश्यक, **निर्माण=**विनाश, **समाप्त=**प्रारंभ, **सुबह=**शाम, **पास=**दूर। **3. दैनिक-**दिन में होने वाला, **साप्ताहिक-**सप्ताह में होने वाला, **त्रैमासिक-**तीन महीने में होने वाला, **अर्धवार्षिक-**छह महीने में होने वाला, **वार्षिक-**एक वर्ष में होने वाला। **4.** स्वयं करें। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-5 तारे

2. (क) कविता में एक छोटा लड़का रात्रि आकाश के बारे में पूछता है। (ख) सूरज के छिप जाने पर आसमान में तारे जगमग करने लगते हैं। (ग) दिन के समय धरती पर सूर्य उजाला फैलाता है। (घ) रात्रि में तारों के अतिरिक्त चन्द्रमा प्रकाश फैलाता है। **3.** (क) रात बीतने पर **सपनों की**, **जो सूरज** चमकाता है। (ख) आसमान में **जगमग**, **जगमग**, लाखों दीप **जलाता है**। **भाषा-बोध: 1. माँ=**माता, जननी; **सूरज=**सूर्य, दिनकर; **आसमान=**नभ, आकाश; **रात=**रजनी, रात्रि; **धरती=**भू, पृथ्वी। **2. अँधियारा=**उजाला **आसमान=**जमीन, **रात=**दिन, **जाना=**आना, **धरती=**आकाश, **ढलना=**उगना। **3.** स्वयं करें। **4. दीया=**दीये, **किरण=**किरणें, **तारा=**तारे, **रात=**रातें, **बच्चा=**बच्चे, **सपना=**सपनें। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-6 मौसम

2. (क) गर्मी के मौसम में लोग सूती व हल्के कपड़े पहनते हैं। (ख) हमारे देश में मौसम सर्दी, गर्मी और बरसात के रूप में बदलते रहते है। (ग) सर्दी के मौसम में रातें बड़ी और दिन छोटे होते हैं। सर्दी अधिक पड़ती है। (घ) बहुत अधिक वर्षा आने पर भीषण बाढ़ आ जाती है। सभी पशु-प्राणी परेशान हो जाते हैं। कितने ही लोगों की मृत्यु हो जाती है। फसलें नष्ट हो जाती हैं। मकान गिर जाते हैं। **3.** (क) अस्थिर (ख) सर्दी से (ग) कड़ाके की गर्मी (घ) दोनों । **4.** (क) ✗(ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓(ङ) ✓ **भाषा-बोधः 1. पेय पदार्थ=**पीने की चीज, **अस्थिर=**चंचल, **भीषण=**भयंकर, **बेचैन=**परेशान, **कष्ट=**दु:ख, **लू=**गरम हवा। **2. रात=**रातें, **फसल=**फसलें, **छोटा=**छोटे, **छाता=**छातें, **बूँद=**बूँदे, **पौधा=**पौधे, **कपड़ा=**कपड़ें, **घटा=**घटाएँ **3. हवा=**पवन, समीर; **किसान=**कृषक, खेतिहर; **पानी=**जल, नीर; **शरीर=**तन, बदन; **मकान=**घर, भवन। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-7. पूँछ का कमाल

2. (क) बंदर लंगूर से डरते हैं। (ख) मछली की पूँछ उसे तैरने में मदद करती है। (ग) बंदर की पूँछ उन्हें एक डाल से दूसरी डाल पर जाने में मदद करती है। (घ) पहले आदमी की भी पूँछ होती थी। धीरे-धीरे वह छोटी होती गई क्योंकि आदमी उससे काम नहीं लेता था। इसलिए एक दिन वह गायब ही हो गई। **3.** (क) कुत्ते की (ख) मच्छर-मक्खी उड़ाती है (ग) दुम (घ) पूँछ। **4.** (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✗ **भाषा-बोधः 1.** स्वयं करें। **2. दिन=**रात, **पुत्र=**पुत्री, **खुश=**उदास, **गायब=**उपस्थित, **छोटी=**बड़ी, **धीरे-धीरे=**तेजी से। **3. पिता=**जनक, तात; **पुत्र=**तनय, बेटा; **पुत्री=**तनया, बेटी; **गाय=**गौ, धेनु। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय- 9 सर्कस

2. (क) सर्कस एक बहुत विशाल तंबू में लगा हुआ था, जो बिजली की रोशनी से सजाया गया था। चमकीली झालर सर्कस के तंबू के चारों तरफ लगाई गई थी और दर्शकों की एक विशाल भीड़ वहाँ मौजूद थी। (ख) शेर ने जलते हुए गोले में से छलाँग लगाई। (ग) रिंग मास्टर की आज्ञा पर शेरों और एक भेड़ ने एक ही बर्तन में पानी पिया। (घ) हाथी नाच रहा था और फिर वह एक स्टूल पर बैठ गया। हाथी ने कई और प्रकार के करतब दिखाए। (ङ) पाँच बंदरों आए, जो साइकिल चला रहे थे। वे अपनी साइकिल से उतरे। उन्होंने दर्शकों को सलाम किया और चले गए। **3.** (क) साढ़े छह (ख) दहाड़ (ग) घोड़े (घ) बंदरों (ङ) हाथी। **4.** रिंग मास्टर-शेर, चाबुक-घोड़े, स्टूल-हाथी, साइकिल-बंदर, रँगे चेहरे-जोकर। **भाषा-बोध : 2. रोशन=**रोशनी, **रंगन=**रंगीन

वशाल=विशाल, **रस्स=**रस्सी, **कलाबाजयाँ=**कलाबाजियाँ, **साइकल=**साइकिल, **2. बंदर=**बंदरों, **साइकिल=**साइकिलें, **शेर=**शेरों, **चाबुक=**चाबुकों, **घोड़ा=**घोड़ों, **दर्शक=**दर्शकों, **झालर=**झालरों, **तंबू=**तंबुओं, **भेड़=**भेड़ों, **शहर=**शहरों। **3.** स्वयं करें। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-10 नन्ही बूँदें

2. (क) बूँदे नन्ही-नन्ही हैं। (ख) बूँदें वर्षा कर प्राणियों में जीवन भरती हैं। (ग) बूँदे बरसने पर धरती पर हरियाली छा जाती है। (घ) बादल काले हैं। **3.** (क) ब (ख) ब (ग) स। **4.** छोटी हैं **पर काम बड़े हैं, बूँद-बूँद** से सागर भरतीं, बढ़ जाता है **जिसको छूती, खुशियों से भर** जाती धरती। **भाषा-बोध : 1. आकाश=**नभ, आसमान **समुद्र=**सागर, जलधि **कुसुम=**फूल, पुष्प **पृथ्वी=**धरा, भूमि **बादल=**जलद, घन **2. छोटी=**बड़ी **धरती=**आसमान; **आसमान=**धरती; **सागर=**महासागर; **मीठा=**तीखा; **शीतल=**ऊष्ण; **फूल=** काँटा; **काला=**सफेद। **3.** स्वयं करें। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-11 पौधे की आत्मकथा

2. (क) पूरे परिवार ने आम खाए। इसके बाद गुठलियाँ पीछे की खाली पड़ी जगह में फेंक दी गई। (ख) गुठली में अंकुरण होने में मिट्टी, सूर्य प्रकाश, पानी ने मदद की। (ग) अंकुरण का विकास गर्मी, ऊष्मा, पानी और नमी पाकर प्रारंभ हुआ। (घ) विकास होने के बाद आम के पौधे के अंदर टहनियाँ, पत्ते, बौर और अमिया आ गई। (ङ) आम की लकड़ी मानव जीवन में एवं मानव जीवन के बाद भी उपयोगी होती है। **3.** (क) मुखिया (ख) मिट्टी (ग) ये दोनों (घ) ऑक्सीजन (ङ) वृक्षारोपण। **4.** (क) ✓(ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓ **भाषा-बोध : 1. टहनी=**टहनियाँ, **वस्तु=**वस्तुएँ, **पौधा=**पौधे, **गुठली=**गुठलियाँ, **पत्ती=**पत्तियाँ, **बगीचा=**बगीचे, **मिट्टी=**मिट्टियाँ, **लकड़ी=**लकड़ियाँ **2. वृक्ष=**पेड़, पादप; **धरती=**धरा,भूमि; **आम=**रसाल, आम्र; दिन=दिवस, वासर, रात=निशा, रात्रि। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-13 खुशी ही खुशी

2. (क) ढोल के पिता उसे भी ढोल बजाने की कला सिखाना चाहते थे। (ख) ढोल के पिता शादी-ब्याह में ढोल बजाते थे। (ग) गीत की धुन सुनकर युवकों ने नाचना-गाना शुरू कर दिया। (घ) ढोल ने अपनी माँ के लिए बहुत सारी चूड़ियाँ और बहन के लिए गुड़िया खरीदी। (ङ) ढोल मेले में ढोल बजाकर बहुत खुश था। **3.** (क) पहला (ख)

बड़े झूले के समीप (ग) अपनी ढोलक बजाने लगा (घ) अपनी माँ के लिए। **4.** (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓ **भाषा-बोध : 1. प्रसन्न=**अप्रसन्न, **आखिरी=**प्रथम, **समाप्त=**शुरु, **समीप=**दूर, **सच=**झूठ, **बड़ा=**छोटा, **दिन=**रात, **बाहर=**अन्दर। **2.** स्वयं करें। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-15 तोते का जन्मदिन

2. (क) वृक्षों पर आम, अनार, अमरूद और बेर आदि तरह-तरह के फल लगते थे। (ख) तोते ने कोयल, मोर, मैना और गोरैया को अपने जन्मदिन पर बुलाया। (ग) कौआ किसी की मदद नहीं करता। वह काँव-काँव की कर्कश आवाज से सबको डराता है, झपट्टे मारता रहता है। वह झगड़ा करता था। इसलिए तोते को कौए से घृणा थी। (घ) कौआ आने वाले मेहमानों की सूचना दे रहा है। **3.** (क) समझदार (ख) बसंत (ग) कौआ (घ) सफ़ाई। **4.** (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗ **भाषा-बोध : 1.** कोटर, खीर, ढोलक, सफाई। **2. कौआ=**कौए, **डाल=**डालें, **बगीचा=**बगीचे, **बात=**बातें, **तोता=** तोते, **मीठा=**मीठे, **घोंसला=**घोंसले, **खबर=**खबरें। **3. बगीचा=**बाज, उपवन; **पेड़=**पेड़, पादप; **सुबह=**प्रातः, मोर; **फूल=**कुसुम, पुष्प; **मित्र=**सखा, दोस्त। **करके सीखिए** स्वयं करें।

अध्याय-16 समाज सेवक अन्ना हज़ारे

2. (क) अन्ना हजारे का पूरा नाम किशन बाबूराव हजारे है। (ख) अन्ना जी के पिताजी का नाम बाबूराव हजारे और माताजी का नाम लक्ष्मीबाई हजारे था। (ग) परिवार पर कष्टों का बोझ देखकर उन्होंने दादर स्टेशन के बाहर फूल बेचने वाले की दुकान पर **40** रुपये की पगार पर काम करना शुरू कर दिया। (घ) साफ-सुथरी छवि वाले अन्ना हजारे भ्रष्टाचार के विरुद्ध कड़ा संघर्ष करने के कारण पूरे भारत में प्रसिद्ध हो गए। **3.** (क) 1937 में (ख) बाबूराव हज़ारे (ग) गरीब (घ) 1963 ई० में। **4.** (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓ **भाषा-बोध : 2. समाज** + इक = सामाजिक **परिवार** + इक = पारिवारिक, **इतिहास** + इक = ऐतिहासिक, **रसायन** + इक = रासायनिक। **2.** (क) इनका (ख) इनके (ग) उन्हें, (घ) उन्होंने, (ङ) वे। **3. प्रसिद्ध=**कुख्यात, **गरीबी=**अमीरी, **बेचना=**खरीदना, **सम्मानित=**अपमानित, **खोलना=**बंद करना, **बाहर=** अंदर, **अधिकार=**अनाधिकार, **प्रमुख=**सामान्य। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-17 झंडा

2. (क) यह वीरों में हर्ष तथा प्रेम सुधा बरसाने वाला है। (ख) कवि ने वीरों को देश धर्म पर बलिदान देने के लिए बुलाया है। (ग) इसको देखकर शत्रु काँपने लग जाते हैं। (घ) हमें अपने देश को उन्नत बनाने के लिए तन-मन समर्पित करने का प्रण लेना चाहिए। **3.** (क) तिरंगा (ख) हरषाने (ग) देश (घ) मातृभूमि। **4. प्यारा=**हमारा **निर्भय=**निश्चय, **आओ=**जाओ, **तन=**मन, **सारा=**हमारा, **गाओ=**जाओ। **भाषा-बोधः 1. विजयी=**पराजित, **प्रेम=**घृणा, **निर्भय=**डरपोर, **ऊँचा=**नीचा, **शत्रु=**मित्र, **वीर=**डरपोरक **2.** स्वयं करें। **3. विश्व=**संसार, **प्रेम=**प्यार, **सुधा=**अमृत, **संकट=**विपत्ति, **मातृभूमि=** जन्मभूमि, **दृढ़=**निश्चय **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-18 साँपों की दुनिया

2. (क) दो मुँह वाले साँपों को 'दोमई' कहते हैं, जो रेंगकर चलते हैं। (ख) साँप की त्वचा बड़ी चिकनी, साफ व चमकदार होती है। (ग) साँप की आँखों पर पलकें नहीं होतीं, इसलिए सोते समय भी इनकी आँखें खुली दिखाई देती हैं। (घ) साँप चूहे, चिड़िया, मेंढक, छिपकली तथा कीड़े-मकोड़े बड़े शौक से खाते हैं। (ङ) साँप के शरीर पर सफेद-सफेद झिल्ली बनती रहती है, उसे 'केंचुली' कहते हैं। **3.** (क) पलकें (ख) रेंगकर (ग) काले (घ) चिकनी (ङ) दोनों। 4. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓(घ) ✗ (ङ) ✗ **भाषा-बोधः 1. बड़ा=**छोटा, **शत्रु=**मित्र, **हानिकारक=**लाभदायक, **भारी=**हल्का, **गंदा=**साफ, **चिकनी=**शुष्क। **2. आँख=**आँखों, **पलक=**पलकों, **पैर=**पैरों, **मानव=**मानवों, **वृक्ष=**वृक्षों, **घंटा=**घंटों, **जानवर=**जानवरों, **साँप=**साँपों। **3.** स्वयं करें। **4. साँप=**सर्प, चक्षुश्रवा, नाग; **दुनिया=**संसार, विश्व, जग; **जल=**नीर, तोय, पानी; **आँख=**नेत्र, नयन, लोचन; **चिड़िया=**खग, पक्षी, पंछी; **आदमी=**नर, मानव, पुरुष। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-19 कुछ काम करो

2. (क) हमारा जन्म कर्म करने के लिए हुआ है। (ख) प्रभु ने हमें कर्म करने के लिए हाथ दिए हैं। (ग) कर्म करके हम अपनी मनचाही वस्तु प्राप्त कर सकते हैं। **3.** प्रभु ने तुमको **कर दान किए**, सब वांछित वस्तु **विधान किए**। तुम प्राप्त करो उनको न अहो, **फिर है किसका** यह दोष कहो। **भाषा-बोधः 1. वयर्थ=**व्यर्थ, **निरास=**निराश, **वांक्षित=**वांछित, **उपयूक्त=**उपयुक्त, **दोस=**दोष, **अरथ=**अर्थ **2. जग=**विश्व, संसार; **अर्थ=**मतलब, कारण; **कर=**हाथ, टैक्स। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

हिंदी रतन-4